ST. XAVIER'S COLLEGE OF EDUCATION(AUTONOMOUS)
Digha Ghat P.O., Patna – 800 011, Bihar, India
NAAC Accredited with 'A' Grade (3rd cycle)
www.sxcepatna.edu.in E-mail: sxcepatna@gmail.com Phone : +91 0612 2567153, 6201161517
Affiliated to Aryabhatta Knowledge University, Patna

Ref. No. : SXCE/2025/110

7th March, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

सेंट जेवियर्स कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन (स्वायत्त) दीघा घाट, पटना में द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 7 मार्च 2025 को मुख्य अतिथि, प्रोफेसर परमेंद्र कुमार वाजपेयी, कुलपति, जेपी विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार, विषय विशेषज्ञ, डॉ० राजेश्वर कुमार, उप निदेशक यूजीसी, एम०एम०टी०टी०सी०, बी० बी० ए० बी० ऊ०, मुजफ्फरपुर बिहार, प्राचार्य प्रोफेसर (फा.) इग्नासियुस तोपनो, रेक्टर फादर नॉरबर्ट मेनेजेस, प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह,संकायाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना एवं प्रोफेसर कमल प्रसाद बौद्ध, शिक्षा विभाग,पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस संगोष्ठी का मुख्य विषय "भारतीय ज्ञान परंपरा और डिजिटल युग: सांस्कृतिक एवम् नैतिक अनुचिंतन" है। कार्यक्रम की शुरुआत में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य स्व०फादर पी टी अगस्टिन एवं स्व०फादर थॉमस करथानम को श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि के उपरांत स्वागत गान की प्रस्तुति, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सभी शिक्षाविदों का स्वागत किया गया।इस अवसर पर स्मारिका का विमोचन किया गया। इस संगोष्ठी में अनेकों महाविद्यालय के विद्वान प्राचार्य, प्राध्यापक एवं शिक्षाविद उपस्थित थे । प्राचार्य प्रोफेसर फादर इग्नासियुस तोपनो ने कहा महाविद्यालय एक ऐसा स्थान है जहाँ युवा पीढ़ी का निर्माण होता है। हमारा कर्तव्य है कि हम अपने छात्रों को न केवल ज्ञान प्रदान करें, बल्कि उन्हें आज के डिजिटल युग में नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति भी जागरूक करें। मुख्य अतिथि प्रोफेसर परमेंद्र कुमार वाजपेयी, कुलपति, जेपी विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार ने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। वेदों, उपनिषदों, पुराणों, और शास्त्रों में ज्ञान का अपार भंडार है। हमारे पूर्वजों ने गणित, विज्ञान, चिकित्सा, खगोल विज्ञान, और दर्शन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भी, भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व कम नहीं हुआ है। यह हमें जीवन के नैतिक मूल्यों, सांस्कृतिक धरोहर, और आध्यात्मिक ज्ञान की शिक्षा देती है।भारतीय शिक्षा त्याग चाहती है।आज हम डिजिटल युग में नहीं बल्कि वर्चुअल युग में जी रहे हैं जहां हम वही महसूस करते हैं जो हमे महसूस कराया जाता है। इंटरनेट, सोशल मीडिया, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने हमारे जीवन को बदल दिया है। साथ ही उन्होंने नैनो टेक्नोलॉजी और लेजर फिजिक्स की विस्तृत जानकारी प्रदान की। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास पर प्रकाश डाला।व्यक्ति को जिज्ञासु होकर प्रश्न पूछना चाहिए।डॉ० राजेश्वर कुमार, उप निदेशक यूजीसी, एम०एम०टी०टी०सी०, बी० बी० ए० बी० ऊ०, मुजफ्फरपुर बिहार, ने हमें बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा से सीख लेकर विश्वबन्धुत्व और भाईचारा स्थापित करना चाहिए।अपनी मातृभाषा एवं क्षेत्रीय भाषा में अभिव्यक्ति करनी चाहिए। डिजिटल युग में भारतीय ज्ञान परंपरा की स्थापना अनिवार्य है।

भारतीय ज्ञान परंपरा समस्या का समाधान नहीं देता है बल्कि समस्या उत्पन्न ही न हो इस पर बल देता है। पंचकोश के अंतर्गत मनोमय कोश की जानकारी प्रदान की।विभिन्न तकनीकी सत्रों में अनेकों विश्वविद्यालयों के 80 से भी ज्यादा प्रस्तुतकर्ताओं ने शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का मंच संचालन प्रोफेसर मधु सिंह ने किया। संगोष्ठी समन्वयक प्रोफेसर मधु सिंह एवं डॉ० सुशील कुमार सिंह, डॉ० निमिषा श्रीवास्तव एवं डॉ० विक्रमजीत सिंह ने संगोष्ठी की तैयारी बेहतर तरीके से करवाई। धन्यवाद ज्ञापन डॉ० शोभा ने किया।इस अवसर पर प्रोफेसर प्रीति सिन्हा, डॉ० फादर सुशील बिलूंग, डॉ०सपना सुमन, डॉ०दीप कुमार, डॉ० स्मिता पास्कल, श्रीमती सुजाता कुमारी, डॉ०बेनि ललित मिंज, डॉ०शान्ति किशोरी सिंह, सभी सहयक कर्मचारीगण एवं महाविद्यालय के सभी छात्राध्यापक मौजूद थे।

प्रो० (फादर) इग्नासियुस तोपनो, ये० स०
प्राचार्य
सेंट जेवियर्स कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन (स्वायत्त)
दीघा घाट, पटना

Principal
St. Xavier's College of Educati
(Autonomous)
Digha Ghat, Patna-11